भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)

COMMUNIST PARTY OF INDIA (MAOIST)

ओड़िशा राज्य कमेटी

ODISHA STATE COMMITTEE

प्रेस स्टेटमेंट **दिनांक : 8 मार्च 2014**

झुठे विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करो!

विदेशी कंपनियों व बड़े पूंजपतियों की दलाल
नवीन पटनायक सरकार को मार भागाओ!
ओड़िशा को बेचकर खाने वाली तमाम बुर्जुआ पार्टियां मुर्दाबाद!
ओड़िशा को बचाने के लिए विधासभा चुनावों का बहिष्कार करो
माओवाद की राह चुनो!

प्यारी ओड़िशा जनता

लोकसभा चुनावों के साथ-साथ ओड़िशा विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है. नवीन पटनायक सरकार पूरे गाजे-बाजे के साथ चुनाव में उतर गयी है और ओड़िशा के विकास के नाम पर वोट मांग रही है. लेकिन सवाल उठता है कि पिछले पंद्रह सालों में नवीन 'बाबू' की सरकार में किसका विकास हुआ है? आज भी ओड़िशा गरीबी और भुखमरी, विस्थापन व पलायन के लिए पूरे देश में बदनाम हैं, लोगों ने आम की गुठलियां खाकर इसी राज्य में जान दी हैं क्योंकि अनाज नहीं मिलता! ओड़िशा में टाटा, रिलायंस, जिंदल, पोस्को, मित्तल, वेदांता, हिंडालको, स्टारलाईट, वेलस्पुन पावर एंड स्टील, नालको का विकास हुआ है. उन्होंने हजारों करोड़ रुपये यहां से कमाई कर अपनी कंपनियों की संख्या दुगनी कर ली है लेकिन ओड़िशा जनता को पहले से ही आधे पेट रहने पर मजबूर है और पिछले पंद्रह सालों में यह आधे से भी आधा रह गया है. नवीन पटनायक विदेशों में दौरे कर पूंजीपतियों को न्यौता देकर बुलाता है कि ओड़िशा में 5231 करोड़ टन लोह के भंडार हैं, जो देश के कुल भंडारों का 35 प्रतिशत है आइये ये आपके लिए ही है. राज्य में 27 किस्म की खदाने हैं जो अरबों करोड़ों रुपयों का उत्पादन करती है. लेकिन जनता के हिस्से उस में से कुछ भी नहीं आता. तो यह विकास किसका केवल बड़े पूंजीपतियों का ही विकास है बाकि जनता का केवल विनाश और विनाश है!

2013 में आये तुफान के बाद लाखों किसानों की फसल तबाह हो गयी. सरकार ने प्रचार किया कि उस पर हमने जीत हासिल कर ली, जनता का नुकसान नहीं होने दिया, मगर कई लोगों को आज तक कोई मुआवजा नहीं दिया गया.

इसका कारण है केवल और केवल बड़े पूंजीपति, विदेशी कपंनियां व दलाल राजनीतिक पार्टियां. पिछले पन्द्रह सालों से बिजू जनता दल की नवीन पटनायक सरकार सत्ता में है, जबकि कांग्रेस विपक्ष की भूमिका निभा रही हैं, विधानसभा में और भी कई पार्टियां हैं - लेकिन ये सभी पार्टियां जनता को लूटने के लिए, विदेशी कंपनियों, टाटा, जिंदल, बिरला, वेदांता, पोस्को, अंबानी जैसे बड़े-बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाने के लिए एकजुट हैं, विरोध का मात्र दिखावा कर रही है.

नियमगिरी, लांजीगढ़, नारायणपटना, काशिपुर, जगतसिंगपुर, कलिंगनगर, गंदमर्धन, लोयर सुकतेल इलाके की जनता अपनी खनिज संपदा, जल-जंगल-जमीन को बचाने के लिए लड़ रही है, लेकिन राज्य की बिजू जनता दल और केंद्र की कांग्रेस सरकार ने एकजुट होकर जनता पर युध्द छेड़ दिया. दर्जनों जनता को गोलियों से भून दिया, पोस्को का विरोध कर रहे महिलाओं, बच्चों पर अकथनीय जुल्म ढाए गए. जनता विरोध के बावजूद आज पोस्को को मंजूरी दे दी गयी है. वेदांता को और दूसरी जगह पांच 'मालियों'(पहाड़ों) पर खनन करने की अनुमति दे दी है.

पंचकुड़ी के जंगलों में तीन लोगों की झूठी मुठभेड़ में हत्या कर उनको माओवादी घोषित किया गया ताकि जनता में दहशत फैला कर सुर्पीम कोर्ट के आदेश पर चल रही 'पाली सभाओं' को विफल किया जा सके. कलिंगनगर में 12 लोगों को फायरिंग कर मार डाला. क्योंकि वह टाटा के खिलाफ लड़ रहे थे. गंदमर्धन में माधव सिंग ठाकूर और रमेश साहू को फर्जी मुठभेड़ में मार डाला गया.

राज्य में अल्पसंख्यकों, दलितों व आदिवासियों पर भगवा आतंकवादियों के हमले जारी हैं, नवीन पटनायक सरकार उनका भरपुर समर्थन कर रही है. कंधमाल में जनता के दुश्मन लक्ष्मणनंद सरस्वती के सफाये के बाद कितने ही निर्दोष इसाइयों, आदिवासियों को मार डाला गया, उनके घरों व गिरजाघरों को जला दिया गया. महिलाओं पर अत्याचार किये गए. स्थानीय पुलिस व एसओजी बलों ने दंगाइयों

का ही साथ दिया. उन्होंने ने भी महिलाओं पर अत्याचार किये. उल्टा आज कोर्ट ने कई दलितों, आदिवासियों एवं अल्पसंख्यकों को आजीवन कारावास तक की सजा सुना दी है.

बलांगिर जिला के लाटूर में दलित बस्ती पर हमला किया गया, दलितों के साथ साथ मारपीट की गयी, उनके घरों पर तेल छिड़क कर पूरी बस्ती को जलाकर रख कर दिया. उनको बस्ती से भगा दिया गया. यह हमला दारु माफिया, कई दारु भट्टियों के मालिक घासीराम अग्रवाल ने करवाया. नवीन पटनायक सरकार इसे पूरी सह देती है.

इतना ही नहीं शाह आयोग की रिपोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि ओड़िशा में खनन कंपनियां हजारों करोड़ों का अवैध खनन कर रही है. नवीन पटनायक शासनकाल में लगभग 54000 करोड़ का खनन घोटाला सामने आया, कोल ब्लॉक आवंटन दाल घोटाला सामने आया. यह तो सामने आया है इसके अलावा पता नहीं कितने और घपले हुए हैं.

नवीन पटनायक सरकार ने पंद्रह सालों में 172,000 करोड़ रुपये के समझौते (एमओयू) किये हैं. इन 49 कंपनियों में से 9 कंपनियां ही 70 प्रतिशत से ज्यादा पैसा लगाई हैं.

इसलिए आने वाला समय ओड़िशा को और बर्बादी की तरफ धकेलने वाला है क्योंकि गंदमर्धन, जगतसिंगपुर, कलाहंडी, रायगढ आने वाले समय में इन कंपनियों के बड़े निशाने हैं. लाखों आदिवासी जनता को विस्थापन करने की तैयारियां चल रही हैं. इस झूठे विकास के नाम पर फिर हजारों घरों व लाखों एकड़ जमीन को बर्बाद कर दिया जायेगा. क्या ऐसा आदमी या ऐसी पार्टी फिर से सत्ता में आने के काबिल है? क्या आप ऐसे नेता को फिर वोट देंगे जिसने अपने राज्य को विदेशी व दलाल पूंजीपतियों की कंपनियों को बेच दिया है? क्या आप उसे फिर सत्ता में लाओगे जिसने हजारों हेक्टेयर जंगल को कटवा दिया है?

राज्य में कांग्रेस, बीजेपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा सहित अन्य पार्टियां भी नवीन पटनायक के सुर में सुर मिला कर काम करते हैं. यह राज्य में कहीं पर भी जनता के हित में आवाज नहीं उठाते. विपक्षी पार्टियां जनता के हित में कभी आवाज नहीं उठाती, जनता को भटका कर केवल अपनी सिटों को बढ़ाने के लिए कभी-कभी आजाव उठाने की नौटंकी करती है.

देश की मुक्ति के लिए, अपने जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए माओवादी पार्टी के नेतृत्व में देश की जनता, खासकर आदिवासी जनता संघर्ष कर रही है. इस संघर्ष की बदौलत उसने कई विदेशी व बड़े पूंजीपतियों की कंपनियों की लूट को रोक दिया है. पोस्को, टाटा, बिरला, वेदांता, अंबानी, जिंदल आदि के साथ केंद्र व रज्य सरकार ने कई एमओयू साइन कर रखे हैं. माओवादी पार्टी उनके लिए सबसे बड़ा खतरा बन गयी है, क्योंकि उनकी लूट नहीं चलने देती. इसलिए शोषक-शासक वर्गों ने आपरेशन ग्रीनहंट की शुरुआत की और आज सारी पार्टियां बिजू जनता दल, बिजेपी हो या कांग्रेस, माकपा हो या भाकपा सभी ग्रीनहंट के नाम पर देश की अपनी ही जनता पर युध्द छेड़ने के लिए एकजुट हैं. कोई भी पार्टी जो चुनावों में खड़ी है इस अन्यायपूर्ण युध्द का विरोध नहीं करती. अपने ही देश के लोगों को मारने के लिए अपने ही देश की सेना, पुलिस, अर्ध सैनिक बलों को उतारा जा रहा है, सैकड़ों गांव तबाह करा दिये जा चुके हैं, दर्जनों महिलाओं से बलात्कार किये जा चुके हैं, नियमगिरी, लांजीगढ़, गंदमर्धन, सोनाबेड़ा, मैनपुर, उदंती सब जगह दमन का तांडव जारी है.

ओड़िशा के कोरापुट, मलकानगिरी, बरगढ़, बलांगिर, नारायणपटना, नियमगिरी में कृषि क्रांति को आगे बढ़ाने के लिए,नवजनवादी क्रांति की सफलता माओवादी पार्टी के नेतृत्व में जारी सशस्त्र आंदोलनों, जन आंदोलनों को फासीवादी तरीके से कुचला जा रहा है. हजारों की संख्या में जनता को गिरफ्तार कर जेलों में डाल दिया गया है और दर्जनों नौजवानों को फर्जी मुठभेड़ में मार डाला गया.

छत्तीसगढ़ के सितानदी, उदंती, आमामोरा से लेकर सोनाबेड़ा तक टाईगर रिजर्व के नाम पर जनता को उजाड़ने की साजिश से काम जोरों पर चल रहा है. जहां टाईगर ही नहीं है वहां से आदिवासी जनता को उजाड़ा जा रहा है. उनको वनोपजों का संग्रहण तक नहीं करने दिया जा रहा.

अगर हमें सही जनवाद, मुक्ति और विकास चाहिए तो वह दंडकारण्य, बिहार-झारखंड के रास्ते से ही हो सकता है. आइये चुनावों का बहिष्कार करते हुए, झूठे वायदों को लात मारते हुए भूखमरी, पलायन, विस्थापन के खिलाफ संघर्ष को तेज करें.

ओड़िशा के मजदूर-किसानों, छात्र-बुध्दिजीवियों, दुकानदार-कर्मचारियों, महिलाओं सहित सारी जनता से हमारी पार्टी आव्हान करती है कि इन झूठे विधानसभा चुनावों का बहिष्कार करे और राज्य को साम्राज्यवाद, समांतवाद, दलाल नौकरशाह पूंजीपतियों के पंजों से छुड़वाने के लिए माओवाद की राह चुने. पीएलजीए में भर्ती होकर नवजनवादी क्रांति की सफलता के लिए संघर्ष करे!

चुनाव एक तमाशा है - संघर्ष ही एक आशा है!

नोट से न वोट से - हक मिलेंगे चोट से!

नवजनवादी क्रांति की सफलता के लिए संगठित होकर संघर्ष तेज करो!

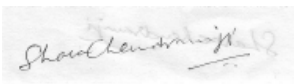

शरतचंद्र मांझी
प्रवक्ता
ओड़िशा राज्य कमेटी